unit 05 व्यक्तित्व

(Personality)

Q. व्यक्तित्व का अर्थ लिखकर परिभाषित कीजिए।

Write down the meaning of personality and define it.

उत्तर- अर्थ (Meaning) -

Personality शब्द का उद्गम लैटिन भाषा के personare शब्द से हुआ है, जिसका तात्पर्य "व्यक्ति की वेशभूषा/पहचान" से है।

ईसवी सन् से एक सदी पूर्व 'पर्सनेयर' (personare) शब्द की जगह 'पर्सोना' (persona) शब्द का प्रयोग होता था।

जिसका प्रयोग नाटक (drama) की पोशाक व मुखौटे (नकली चेहरे) के लिए किया जाता था।

यही Persona आगे चलकर Personality शब्द के रूप में प्रयोग होने लगा।

Personality शब्द का अर्थ "व्यक्ति की बोलचाल, वेशभूषा, रंग-रूप तथा व्यक्ति के (उस) व्यवहार" से होता है जिससे अन्य व्यक्ति प्रभावित हों।

जो व्यक्ति अपने गुणों (व्यक्तित्व) से जितना अधिक दूसरों को प्रभावित करेगा, वह उतने ही गौरवशाली और प्रभावशाली व्यक्तित्व का मालिक कहा जाएगा।

व्यक्ति अन्दर एवं बाहर से जो कुछ भी होता है, सभी कुछ उसके व्यक्तित्व में शामिल है।

व्यक्तित्व में व्यक्ति की सभी ज्ञानात्मक (cognitive), भावात्मक (affective) एवं क्रियात्मक (creative) प्रवृत्तियों तथा उसके आतंरिक व बाह्य गुण, लक्षण, विशेषताएं, जो समाज में उसकी पहचान बने, को शामिल किया जाता है।

परिभाषाएं (Definitions)

• वुड्वर्थ (Woodworth) के अनुसार व्यक्ति के व्यवहार के समस्त गुणों को व्यक्तित्व कहते हैं।

(Personality is the total quality of an individual's behaviour).

• जे.पी. गिलफर्ड (J.P. Gilford) के अनुसार

व्यक्तित्व व्यक्ति के गुणों का समन्वित रूप है।

(Personality is an integrated pattern of Individual's traits.)

• वाट्सन (Watson) के अनुसार

हम जो कुछ करते हैं, वही व्यक्तित्व है।

• वैलेन्टीन (Valentine) के अनुसार

व्यक्तित्व जन्मजात एवं अर्जित प्रवृत्तियों का योग है।

Answer - Meaning -

The word Personality originates from the Latin word personare, which means "person's attire/identity".

A century before AD, the word 'persona' was used instead of 'personare'.

Which was used for drama costumes and masks (fake faces).

This persona later started being used as the word personality.

The word personality means "a person's speech, dress, appearance and behavior" which influence other people.

The more a person influences others with his qualities (personality), the more glorious and influential he is said to be. Will go.Whatever happens inside and outside a person, everything is included in his personality.

Personality includes all the cognitive, affective and creative tendencies of a person and his internal and external qualities, traits and characteristics, which become his identity in the society.

Definitions

• According to Woodworth, all the qualities of a person's behavior are called personality. (Personality is the total quality of an individual's behaviour).

• J.P. According to J.P. Gilford,

personality is an integrated form of a person's qualities. (Personality is an integrated pattern of Individual's traits.)

• According to Watson, whatever we do is personality.

• According to Valentine, personality is a combination of innate and

acquired tendencies.

Q. व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक कौन-कौन से हैं?

What are the main factors that influencing development of personality?

उत्तर- जिन कारकों से व्यक्तित्व प्रभावित हो उन्हें व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक कहते हैं। इन कारकों को मुख्य रूप से दो भागों में बाँटा गया है-

1. जैविक कारक (Biological Factor)

2. पर्यावरणीय कारक (Environmental Factor)

1. जैविक कारक (Biological Factor)

जैविक कारक वे होते हैं जिनका संबंध व्यक्ति का अपने शारीरिक गतिविधियों से व आनुवांशिकता से होता है। इसमें निम्न कारक शामिल होते हैं-

(a) शरीर रचना एवं स्वास्थ्य (Physique and Health)

शरीर रचना सही होने एवं स्वास्थ्य अच्छा होने से व्यक्ति का व्यक्तित्व बढ़ता है एवं उसमें आत्म-विश्वास, श्रेष्ठता का भाव आदि उपस्थित होते हैं। दूसरी तरफ शारीरिक बनावट व स्वास्थ्य अच्छा न होने से व्यक्ति में हीन भावना, शर्मीलापन, एकाकीपन व मनोवैज्ञानिक विकार उत्पन्न होते हैं।

(b) अंतःस्त्रावी ग्रंथियाँ व शारीरिक रसायन (Endocrine glands and body chemistry)

शरीर में होने वाले रासायनिक परिवर्तन व्यक्तित्व को प्रभावित करते हैं। अंतःस्रावी ग्रंथियां जैसे पिट्यूटरी ग्रंथि, थायरॉयड ग्रंथि, एड्रीनल ग्रथि, एड्रीनल ग्रंथि आदि से स्त्रवित होने वाले हॉर्मोन व्यक्तित्व के विकास पर प्रभाव छोड़ते हैं।

(c) आनुवांशिक कारक (Genetic Factors)

प्रायः देखने में आता है कि बालक में वैसे ही गुण उपस्थिति हैं जैसे उसके माता-पिता में हैं। इसका मुख्य कारण आनुवांशिकी है जो माता-पिता से उनकी संतान में आते हैं। आनुवांशिकी का व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है।

2. पर्यावरणीय कारक (Environmental Factor)

व्यक्ति के व्यक्तित्व को जैविक कारक के अलावा पर्यावरणीय कारक भी प्रभावित करते हैं जिनमें से कुछ निम्न हैं-

(a) सामाजिक कारक (Social Factor)

व्यक्ति के व्यक्तित्व को समाज के विभिन्न अंग जैसे- परिवार, विद्यालय, सामाजिक संस्थाएँ, आस-पड़ोस आदि प्रभावित करते हैं।

(b) सांस्कृतिक कारक (Cultural Factor)

बालक का व्यक्तित्व उस संस्कृति से भी प्रभावित होता है जिस सांस्कृतिक वातावरण में वह रहता है व उसका विकास होता है।

(c) आर्थिक कारण (Economic Factor)

आर्थिक स्थिति का किसी के भी व्यक्तित्व पर बड़ा महत्वपूर्ण असर पड़ता है। गरीबी में पले बच्चों में हीनता की भावना, आत्म-विश्वास की कमी, असुरक्षा की भावनाएं आदि

उत्पन्न हो जाती हैं। गरीबी के तनावपूर्ण व संघर्षपूर्ण वातावरण का बालकों के मानसिक विकास और व्यक्तित्व पर असर पड़ता है।

Answer- The factors which affect personality are called factors affecting personality.

These factors are mainly divided into two parts-

1. Biological Factor

2. Environmental Factor

1. Biological Factors:

Biological factors are those which are related to a person's physical activities and heredity. The following factors are included in this-

(a) Physique and Health:

Having a correct body structure and good health enhances a person's personality and gives him self-confidence, a sense of superiority etc.

On the other hand, due to poor physical structure and health, inferiority complex, shyness, loneliness and psychological disorders arise in the person.

(b) Endocrine glands and body chemistry:

The chemical changes occurring in the body affect the personality. Hormones secreted from endocrine glands like pituitary gland, thyroid gland, adrenal gland, adrenal gland etc. have an impact on the development of personality.

(c) Genetic Factors:

It is often seen that the child has the same qualities as his parents. The main reason for this is the genetics that are passed from parents to their offspring. Genetics plays an important role in the development of personality.

2. Environmental Factors:

Apart from biological factors, environmental factors also affect a person's personality, some of which are as follows-

(a) Social Factors:

Various parts of the society like family, school, social institutions, neighborhood etc. influence the personality of a person.

(b) Cultural Factor:

The personality of the child is also influenced by the culture in which he lives and develops.

(c) Economic Factor:

Economic situation has a very important impact on anyone's personality.

Children growing up in poverty develop feelings of inferiority, lack of self-confidence, insecurity etc.

The stressful and conflict-ridden environment of poverty affects the mental development and personality of children.

Q. व्यक्तित्व के प्रमुख प्रकारों का वर्णन कीजिए।

Describe the main types of personality.

उत्तर- व्यक्तित्व की संरचना एवं प्रकृति को समझने के लिए व्यक्तित्व के वर्गीकरण (classification/kinds/types of personality) को समझना अति आवश्यक है।

मनोवैज्ञानिकों द्वारा दिये गये व्यक्तित्व का वर्गीकरण / प्रकार निम्न रूप से किया जाता है-

1. भारतीय आयुर्वेद के अनुसार (According to Indian Ayurveda) -

भारतीय आयुर्वेद के अनुसार व्यक्तित्व के तीन प्रकार हैं-

(a) वात प्रधान (Dominated by wind)

वात प्रधान वाले व्यक्ति चंचल, स्फूर्तिवाले, मिलनसार, प्रसन्नचित्त एवं वायु रोगों से ग्रसित (afflicted) रहने वाले होते हैं।

(b) पित्त प्रधान (Dominated by the bile)

ऐसे व्यक्ति आनन्द युक्त लेकिन सुस्त, शारीरिक रूप से कमजोर एवं संवेगात्मक (emotive) दृष्टि से सशक्त होते हैं।

(c) कफ प्रधान (Dominated by the phlegm)

इस प्रकृति वाले व्यक्ति शान्त, संवेगात्मक दृष्टि से सामान्य एवं शारीरिक रूप से कमजोर होते है।

2. स्वभाव के आधार पर (According to Habits)

मनोवैज्ञानिक Margon and Gilliland (मार्गन और गिलीलैंड) ने व्यक्तित्व का वर्गीकरण स्वभाव के आधार पर किया है, जो निम्न चार प्रकार के हैं-

(a) अस्थिर व्यक्तित्व (Unstable personality)

इस प्रकार के व्यक्तित्व वाले व्यक्ति संवेगात्मक रूप से अस्थिर और असन्तुलित स्वभाव के होते हैं।

(b) चिड़चिड़ा व्यक्तित्व (Irritable personality)

इस स्वभाव के व्यक्तियों का व्यक्तित्व चिड़चिड़ा होता है और ऐसे व्यक्ति झगड़ालू (quarrelsome) तथा गर्म स्वभाव के होते हैं।

(c) उदास व्यक्तित्व (Depressed personality)

इस प्रकार के व्यक्तियों का व्यक्तित्व उदास होता है, ये अधिकतर संवेगात्मक (emotional), निराशावादी (pessimistic) और उदास होते हैं।

(d) प्रफुल्ल व्यक्तित्व (Elated personality)

इस प्रकार के व्यक्तित्व वाले व्यक्ति स्वभाव से खुशमिजाज, प्रसन्नचित्त रहने वाले एवं आशावादी (optimistic) होते हैं।

3. शरीर रचना के आधार पर (According to Physical Structure) -

(a) क्रेश्मर का वर्गीकरण (Classification of Kretschmer)

शारीरिक बनावट के आधार पर क्रेश्मर ने व्यक्तित्व के तीन प्रकार बताये हैं-

• Asthenic Type

ऐसे व्यक्तित्व वाले व्यक्ति लम्बे तथा दुबले-पतले शरीर वाले होते हैं। ये क्रोधी तथा निराशावादी प्रकृति के होते हैं।

• Athletic Type - ऐसे व्यक्तित्व वाले व्यक्ति हृष्ट-पुष्ट एवं स्वस्थ शरीर वाले व चुस्त होते हैं।

• Pyknic Type - ऐसे व्यक्तित्व वाले व्यक्ति नाटे तथा मोटे होते हैं व स्वभाव से प्रसन्नचित्त रहने वाले, आरामप्रिय एवं मिलनसार प्रकृति के होते है।

(b) शेलडन का वर्गीकरण (Classification of Sheldon)

शेलडन ने भी शारीरिक बनावट के आधार पर तीन भागों में बांटा हैं-

• Endomorphic - इस प्रकार के व्यक्तित्व वाले व्यक्ति शारीरिक दृष्टि से शक्तिहीन, मोटे तथा कोमल शरीर वाले होते हैं।

• Mesomorphic - ऐसे व्यक्ति शारीरिक रूप से संतुलित, तन्दुरुस्त और हृष्ट-पुष्ट होते हैं।

• Ectomorphic - इस प्रकार के व्यक्तित्व वाले व्यक्ति शरीर से दुबले-पतले, लम्बे, कमजोर और निराशावादी होते है।

4. सामाजिकता के आधार पर (On Social Basis)

प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक Jung (जुंग) ने सामाजिकता (social interaction) के आधार पर व्यक्तित्व का वर्गीकरण किया है। ये दो प्रकार के हैं-

(a) बहिर्मुखी व्यक्तित्व (Extrovert Personality)

बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले व्यक्ति यथार्थवादी होते हैं तथा जीवन की परिस्थितियों का वस्तुगत रूप से सामना करते हैं।

इस व्यक्तित्व वालों का झुकाव बाहरी चीजों की ओर अधिक होता है तथा अपने जैसे स्वभाव वालों के साथ मिलना-जुलना अधिक पसन्द करते हैं।

इनमें आत्मविश्वास चरम पर होता है।

ये कर्मठ, व्यवहार-कुशल, चिन्तामुक्त, सामाजिक, आशावादी, साहसिक तथा आक्रामक (aggressive) प्रकृति के होते हैं।

(b) अन्तर्मुखी व्यक्तित्व (Introvert Personality)

अन्तर्मुखी व्यक्तित्व वाले व्यक्तियों की प्रवृत्ति अपने आस-पास के लोगों की ओर नहीं होती, बल्कि इनकी प्रवृत्ति स्वयं अपनी ओर अर्थात अन्दर की ओर ही होती है।

इनकी अभिवृत्तियां, आदतें आदि बाह्य रूप से प्रकट नहीं होती हैं।

इनकी मानसिक शक्तियों का विकास अधिक होता है।

ये विचार-प्रधान वाले होते हैं, चिन्तन-मनन में ध्यान देते हैं।

ये आत्मकेन्द्रित, एकान्तप्रिय, कम बोलने वाले, अध्ययनशील और शीघ्र निर्णय न लेने वाले होते हैं।

अन्तर्मुखी व्यक्तित्व की श्रेणी में कवि, वैज्ञानिक, दार्शनिक आदि आते हैं।

Answer: To understand the structure and nature of personality, it is very important to understand the classification/kinds/types of personality.

The classification/types of personality given by psychologists are as follows-

1. According to Indian Ayurveda - According to Indian Ayurveda. There are three types-

(a) Dominated by wind:

People dominated by wind are playful, energetic, sociable, cheerful

and suffer from wind diseases.

(b) Dominated by the bile:

Such people are full of joy but lethargic, physically weak and emotionally strong.

(c) Dominated by the phlegm:

People with this nature are calm, emotionally normal and physically weak.

2. According to Habits:

Psychologists Margon and Gilliland have classified personality on the basis of temperament, which are of the following four types:

(a) Unstable personality:

People with this type of personality are emotionally unstable.And are of unbalanced nature.

(b) Irritable personality:

The personality of people of this nature is irritable and Such persons are quarrelsome and hot-tempered.

(c) Depressed personality:

The personality of this type of people is depressed, they are mostly emotional, pessimistic and sad.

(d) Elated personality:

People with this type of personality are cheerful, cheerful and optimistic by nature.

3. According to Physical Structure -

(a) Classification of Kretschmer: On the basis of physical structure, Kretschmer has given three types of personality-

• Asthenic Type:

People with such personality have tall and thin body. They are angry and pessimistic in nature.

• Athletic Type -

People with such personality are strong, healthy and agile.

• Pyknic Type -

People with such personality are short and fat and are happy, relaxed and sociable by nature.

(b) Classification of Sheldon Sheldon has also divided it into three parts on the basis of physical structure-

• Endomorphic -

People with this type of personality are physically weak, fat and soft bodied.

• Mesomorphic –

Such people are physically balanced, fit and strong.

• Ectomorphic –

People with this type of personality are thin, tall, weak and pessimistic.

4. On the basis of sociality:

Famous psychologist Jung has classified personality on the basis of social interaction.

These are of two types-

(a) Extrovert Personality:

People with extrovert personality are realistic and face life situations objectively.

People with this personality are more inclined towards external things and like to socialize with people of similar nature.

Their self-confidence is at its peak.

They are hard-working, tactful, carefree, social, optimistic, adventurous and aggressive in nature.

(b) Introverted Personality:

People with introverted personality do not tend towards the people around them, rather their tendency is towards themselves i.e. inwards.

Their attitudes, habits etc. are not manifested externally. Their mental powers are more developed.

They are thought-oriented and concentrate on thinking and contemplation.

They are self-centred, solitary, less talkative, studious and do not take quick decisions.

Poets, scientists, philosophers etc. come in the category of introverted personality.

Q. अच्छे व्यक्तित्व के कौन-कौन से गुण हैं?

What are the qualities of good personality?

अथवा

व्यक्तित्व की प्रकृति या स्वभाव समझाइए।

Describe the nature of personality.

उत्तर- अच्छे व्यक्तित्व के गुण (Qualities of Good Personality) -

1. प्रत्येक व्यक्ति के स्वभाव में आत्मचेतना (self-consciousness) होती है, जिस पर उसके परिवेश (milieu) का असर अवश्य पड़ता है।

2. अपने स्वाभाविक (natural) गुणों के अनुसार ही वह समाज में अपना योगदान देता है और वह परिवार और समाज से भी उतना और वैसा ही चाहता है जैसा उसका नैसर्गिक स्वभाव उसे अपनाने की इज्जत देता है।

3. जिस प्रकार के सामाजिक वातावरण में व्यक्ति पलता है, उसका स्वभाव भी वैसा ही होता है और वह स्वभाव ही उसकी पहचान (identity) का द्योतक होता है।

4. शारीरिक स्वास्थ्य ही की तरह एक अच्छे व्यक्तित्व के लिए मानसिक स्वास्थ्य (व्यक्ति की बुद्धि, तर्कशक्ति, स्मरणशक्ति, ध्यान, निर्णय, कल्पना, आदि) भी बहुत जरूरी है। अगर कोई इस क्षेत्र में कमजोर है, तो अभ्यास और आदर्श का सहारा लेकर अपने स्वभाव को (कुछ) अच्छा बनाकर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में तालमेल बिठाकर अच्छे व्यक्तित्व वाला बन सकता है।

5. स्वभाव की विपरीत परिस्थितियों में अच्छे व्यक्तित्व वाला व्यक्ति अपने को सहज रख पाता है व समाज को अपना उल्लेखनीय योगदान दे पाता है।

6. व्यक्ति के स्वभाव का एक प्रमुख गुण समायोजनशीलता (adjustability) है, इसके अभाव में व्यक्ति विभिन्न परिस्थितियों के साथ समायोजन स्थापित नहीं कर सकता है, इसके लिए भी व्यक्ति को अच्छे विचारों और सुझावों से समायोजनशील बनाया जा सकता है।

Answer- Qualities of Good Personality -

1. Every person has self-consciousness in his nature, which is definitely affected by his milieu.

2. He contributes to the society according to his natural qualities and he also interacts with the family and society.

He wants as much and as much as his natural nature allows him to accept.

3. The type of social environment in which a person grows, his nature is also the same and that nature itself is indicative of his identity.

4. Like physical health, mental health (a person's intelligence, reasoning power, memory, attention, judgment, imagination, etc.) is also very important for a good personality. If someone is weak in this area, then with the help of practice and example, by making one's nature (somewhat) good, one can become a good personality by maintaining harmony in physical and mental health.

5. A person with good personality is able to keep himself comfortable in adverse circumstances and is able to make significant contribution to the society.

6. A major quality of a person's nature is adjustability, in its absence the person cannot adjust to different situations, for this also the person can be made adjustable with good thoughts and suggestions.

Q. एक नर्स के लिए व्यक्तित्व के ज्ञान का क्या महत्व है?

What is the importance of knowledge of personality for a nurse?

उत्तर- एक नर्स को कुशल होने के साथ-साथ व्यक्तित्व का भी धनी होना चाहिए। व्यक्तित्व का ज्ञान नर्स को निम्नलिखित कारणों से होना चाहिए-

1. देखभाल की प्रकृति (A Caring Nature)

नर्स के व्यक्तित्व में देखभाल की भावना और सद्व्यवहार अति आवश्यक है, इसके अभाव में वह सफल नर्स नहीं बन सकती।

अच्छा व्यवहार और देखभाल की भावना नर्स को मरीज और उसके परिवारजनों के साथ सामंजस्य स्थापित करने में बहुत ही कारगर साबित होती है, साथ ही सौहार्द की भावना भी पैदा होती है।

2. सहनशील (Enduring) अच्छा व्यक्तित्व नर्स को सहनशील बनाता है।

3. विस्तृत परिचय (Detail-oriented) पूर्णतया तथ्य (मरीज और उसके परिजनों के

विषय में) रुचिकर बनाता है।

4. संवेग-स्थिरता (Emotion stability)

अच्छा व्यक्तित्व नर्स को कठिन परिस्थितियों, जैसे वह घण्टों ICU में खड़ी होकर मरीज की देखभाल करती है, आपात स्थिति में परिवारजनों से वार्तालाप करते समय में नर्स को भावनात्मक स्थिर बनाता है।

5. अनुकूलता/स्वीकारता (Agreeability)

संघर्ष और तनाव की स्थितियों और जब नर्स आदर्श कार्य करती है ऐसे समय में उसको लचीलेपन (flexibility) और अनुकूलता/स्वीकारता (agreeability) की आवश्यकता होती है।

6. शारीरिक सहनशीलता (Physical endurance)-

नर्स को बहुत बार 12 घण्टे या उससे अधिक समय तक अस्पताल में खड़े रहकर मरीजों की सेवा करनी पड़ती है ICU, CCU में। ऐसे समय में अच्छे व्यक्तित्व वाली नर्स सहनशीलता का परिचय देते हुए नर्सिंग व्यवसाय को सफल बनाती है।

7. तीव्र सोच (Quick thinking)

कभी-कभी कुछ स्थितियों में अपने अच्छे निर्णय द्वारा नर्स सभी को प्रभावित करती है। ऐसे में नर्स के अन्दर तीव्र सोच होनी चाहिए ताकि वह सही समय पर सही निर्णय लेकर अपने कार्य की क्षमता बढ़ाती रहे और किसी भी planning (योजना) में मदद कर उसको सफल बनाती रहे।

8. न्यायसंगत (Equitable)

नर्स को सदा न्यायासंगत होना चाहिए, उसे कभी भी मरीजों के प्रति भेदभाव नहीं रखना चाहिए। नर्स-व्यवसाय के प्रति हमेशा न्यायसंगत बने रहना अच्छे व्यक्तित्व का द्योतक (exemplifying) है।

9. उत्तम संप्रेषण कौशल (Good communication skills)

नर्स के लिए उसके व्यक्तित्व की पहचान उसके संप्रेषण कौशल (communication skills) से भी होती है। मरीज के लिए अस्पताल में कर्मचारी, नर्सिंग स्टाफ, चिकित्सक, आदि सभी अनजान होते हैं।

ऐसे में मरीज अपने-आपको अकेला महसूस करता है, किन्तु शुरू में नर्स से की गयी बातें ही मरीज को हौसला देती हैं व उसके भय को दूर करने में मदद करती हैं।

Answer- Along with being efficient, a nurse should also have a rich personality. knowledge of personality to the nurse This should happen for the following reasons-

1. A Caring Nature:

The feeling of caring and good behavior is very important in the personality of a nurse, in the absence of this she cannot become a successful nurse.

Good behavior and a caring spirit prove to be very effective in helping the nurse establish rapport with the patient and his family, and also create a feeling of harmony.

2. Enduring:

Good personality makes the nurse enduring.

3. Detailed introduction (Detail-oriented) makes complete facts (about the patient and his family) interesting.

4. Emotional stability:

Good personality makes the nurse emotionally stable in difficult situations, such as standing in the ICU for hours taking care of the patient, while talking to family members in an emergency.

5. Adaptability/Agreeability:

In situations of conflict and stress and when a nurse performs an ideal job, she needs flexibility and agreeableness.

6. Physical endurance-

Nurses often have to stand in the hospital for 12 hours or more and serve the patients in ICU, CCU. In such times, a nurse with a good personality shows tolerance and makes the nursing profession successful.

7. Quick thinking:

Sometimes the nurse impresses everyone with her good judgment in certain situations. In such a situation, the nurse should have sharp thinking so that she can keep increasing her work capacity by taking the right decisions at the right time and help in any planning and make it successful.

8. Equitable:

A nurse should always be equitable, she should never discriminate against patients. Always remaining fair towards the nursing profession exemplifies a good personality.

9. Good communication skills:

For a nurse, her personality is also identified by her communication skills. The hospital staff, nursing staff, doctors, etc. are all unknown to the patient.

In such a situation, the patient feels alone, but the initial conversations with the nurse encourage the patient and help in removing his fear.

Q. व्यक्तित्व के ऑकलन या मापन की विधियां लिखिए।

Write down the methods of assessment or measurement of personality.

उत्तर- जीवन के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे- शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, अपराध, राजनीति,

व्यापार-उद्योग, आदि में मनुष्यों के व्यक्तित्व के बारे में ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है। व्यक्तित्व मापन/जायजा द्वारा उत्तरदायी पदों के लिए उचित व्यक्तियों के चयन में मदद मिलती है।

मनोवैज्ञानिकों ने बहुत-सी विधियों या परीक्षणों का प्रतिपादन किया है, जो निम्न हैं-

A. निरप्रक्षेपण विधियां (Non-projective Methods)

B. प्रक्षेपण विधियां (Projective Methods)

A. निरप्रक्षेपण विधियां (Non-projective Methods)

इन विधियों में निम्नलिखित विधियां शामिल हैं-

1. निरीक्षण विधि (Observation Method)

निरीक्षण विधि में एक निरीक्षणकर्त्ता (observer) व्यक्ति की क्रियाओं (activities) का नियन्त्रित या वास्तविक परिस्थिति में ध्यानपूर्वक निरीक्षण करता है तथा फिर उसकी क्रियाओं के लेखा-जोखा का विश्लेषण (analysis) कर उस व्यक्ति के व्यक्तित्व के बारे में निष्कर्ष निकालता है।

2. निर्धारण-मापनी (Rating Scale)

निर्धारण मापनी एक ऐसी मापनी है, जिसके द्वारा व्यक्तित्व के शीलगुणों (traits) के बारे में लिए गये निष्कर्षों को कुछ categories में रिकार्ड किया जाता है।

इस निर्धारण मापनी में कुछ संख्यात्मक श्रेणियां बनी होती हैं, इन categories (श्रेणियों) का विशेष अर्थ होता है और प्रेक्षक व्यक्ति के शीलगुणों के बारे में निर्णय कर अपनी प्रतिक्रिया इन श्रेणियों के माध्यम से करता है।

3. निष्पादन परीक्षण (Performance Test)

यह विधि हार्टशोर्न द्वारा प्रतिपादित की गयी है। इस विधि में परीक्षार्थी (examinee) को कुछ कार्य देकर उसकी निष्पत्ति (performance) के आधार पर उसके व्यक्तित्व के गुणों का परीक्षण किया जाता है।

4. समाजमिति विधि (Sociometry Method)

इस विधि का प्रयोग व्यक्ति के सामाजिक गुणों के बारे में जायजा/मापन हेतु किया जाता है।

इसके द्वारा एक समूह के सदस्यों में आपसी सम्बन्धों का पता लगाया जाता है।

इसका उपयोग नेता के चयन लोकप्रिय एवं कम लोकप्रिय व्यक्ति का पता लगाने के लिए किया जाता है।

5. साक्षात्कार विधि (Interview Method) -

साक्षात्कार विधि व्यक्तित्व परीक्षण की सबसे लोकप्रिय व सर्वाधिक सामान्य विधि है।

इसमें परीक्षक द्वारा परीक्षार्थी से पूछे गये प्रश्नों के उत्तर के आधार पर ही निष्कर्ष नहीं लगाया जाता, बल्कि परीक्षार्थी के हाव-भाव, तौर-तरीकों, बातचीत, आदि के आधार पर भी व्यक्तित्व के विषय में निष्कर्ष निकाला जाता है।

6. प्रश्नावली विधि (Questionnaire Method) -

व्यक्तित्व परीक्षण की यह बहुत प्रचलित विधि है।

इसमें चुने हुए कुछ प्रश्नों की सूची संबंधित परीक्षार्थी को दे दी जाती है तथा इन प्रश्नों के सामने परीक्षार्थी को उत्तर के रूप में अपनी सहमति या असहमति (हाँ या न में) देनी होती है।

तत्पश्चात परीक्षक द्वारा परीक्षार्थी (व्यक्ति) के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को उत्तर के

आधार पर जाना जाता है।

B. प्रक्षेपण विधियाँ (Projective Methods) -

प्रक्षेपण विधियों द्वारा व्यक्ति के व्यक्तित्व की माप परोक्ष (indirect) रूप से की जाती है।

इन विधियों में मुख्य रूप से निम्नलिखित परीक्षण (test) व्यक्तित्व-मापन के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं-

1. प्रासांगिक अन्तर्बोध परीक्षण (Thematic Appreciation Test, TAT)
मनोविज्ञान के क्षेत्र में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए प्रासांगिक अन्तर्बोध परीक्षण का निर्माण प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक मार्गन व मुरे द्वारा किया गया। इस परीक्षण द्वारा व्यक्ति के व्यक्तित्व की विशेषताओं का पता कुछ चित्रों की सहायता से लगाया जाता है।

2. बाल प्रसंगात्मक बोध परीक्षण (Children's Appreciation Test)

इस विधि का प्रयोग केवल बच्चों के व्यक्तित्व के परीक्षण के लिए किया जाता है।

3. रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण (Rorschach Ink-blot Test)

यह परीक्षण व्यक्तित्व मापन की महत्वपूर्ण विधियों में से एक है।

इसका प्रतिपादन स्विस मनोवैज्ञानिक हर्मन रोर्शा (Rorschach) ने किया।

इस परीक्षण में दस कार्ड होते हैं, जिन पर स्याही के धब्बे के समान चित्र बने होते हैं।

इनमें से पाँच कार्ड पर स्याही के धब्बे जैसी आकृति पूर्णतः काला-सफेद (black and white) में छपी हुई होती है और पाँच कार्ड पर स्याही के धब्बे जैसी आकृति अन्य रंगों

में छपी हुई होती है। प्रत्येक कार्ड एक-एक करके उस व्यक्ति को दिया जाता है, जिसके व्यक्तित्व का मापन किया जाना हो।

कार्ड को वह व्यक्ति जैसे चाहे वैसे घुमा-फिरा सकता है और ऐसा करते समय उसे बताना होता है कि उसे उस कार्ड में क्या दिखायी दे रहा है? व्यक्ति द्वारा दी गयी प्रतिक्रियाओं (reactions) को लिख लिया जाता है और बाद में उसका विश्लेषण किया जाता है और इसके आधार पर व्यक्तित्व की विशेषताओं का पता लगाया जाता है।

4. शब्द-साहचर्य परीक्षण (Word Association Test)

शब्द साहचर्य विधि का प्रयोग सर्वप्रथम गाल्टन द्वारा किया गया।

इस विधि में कुछ शब्दों की सूची बनायी जाती है और सूची के शब्दों को परीक्षार्थी के सम्मुख उद्दीपक (stimulus) के रूप में बोला जाता है और परीक्षार्थी को यह निर्देश दिया जाता है कि उन शब्दों को सुनकर वह प्रतिक्रिया स्वरूप तुरन्त ही एक शब्द बोलेगा। इस विधि में परीक्षार्थी की प्रतिक्रिया तथा उद्दीपक के बीच जो समय लगता है, उसे नोट कर लिया जाता है और उसके आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण किया जाता है।

5. वाक्य-पूर्ति परीक्षण (Sentence Completion Test)

इस परीक्षण में परीक्षार्थी को कुछ अपूर्ण या अधूरे वाक्य दिये जाते हैं और उसे उन्हें पूरा करने के लिए कहा जाता है।

परीक्षार्थी जब वाक्य पूरा करता है, तो उसमें वह अपनी इच्छाओं और अभिवृत्तियों (attitudes) की छाप अवश्य छोड़ता है और इसी आधार पर उसके व्यक्तित्व का आकंलन किया जाता है।

Answer- It is necessary to acquire knowledge about the personality of humans in various fields of life, like education, mental health,

crime, politics, business-industry, etc. Selection of suitable persons for responsible positions through personality measurement/assessment.

Get help. Psychologists have propounded many methods or tests, which are as follows-

A. Non-projective Methods

B. Projective Methods

A. Non-projective Methods: These methods include the following methods-

1. Observation Method:

In the observation method, an observer carefully observes the activities of a person in a controlled or real situation and then by analyzing the account of his activities, he gets an idea about the personality of that person. Draws conclusions about.

2. Rating Scale

Rating scale is a scale by which the conclusions taken about personality traits are recorded in some categories.

In this rating scale, some numerical categories are made, these categories have special meaning and the observer can decide about the qualities of the person. Gives its response through these categories.

3. Performance Test:

This method has been propounded by Hartshorne. In this method, by giving some tasks to the examinee, his personality qualities are tested on the basis of his performance.

4. Sociometry Method:

This method is used to assess/measure the social qualities of a person.

Through this, mutual relationships among the members of a group are ascertained.

It is used to find out the popular and less popular person while selecting the leader.

5. Interview Method –

Interview method is the most popular and most used personality test.It is a common method.

In this, conclusions are drawn not only on the basis of answers to the questions asked by the examiner, but also on the basis of the examinee's expressions, mannerisms, conversation, etc., conclusions are drawn about the personality.

6. Questionnaire Method –

This is a very popular method of personality testing. In this, a list

of some selected questions is given to the candidate concerned and the candidate has to give his agreement or disagreement (yes or no) in the form of answers to these questions.

After that, various aspects of the personality of the examinee (person) are known by the examiner on the basis of answers.

B. Projective Methods –

A person's personality is measured indirectly through projection methods. Among these methods, mainly the following tests are used to measure personality-

1. Thematic Appreciation Test (TAT) –

Thematic Appreciation Test (TAT) was created by famous psychologists Morgan and Murray for personality testing in the field of psychology.

Through this test, personality characteristics of a person are detected with the help of some pictures.

2. Children's Appreciation Test:

This method is used only to test the personality of children.

3. Rorschach Ink-blot Test:

This test is one of the important methods of personality measurement. It was propounded by Swiss psychologist Hermann Rorschach.

This test consists of ten cards on which pictures similar to ink blots are drawn.

Of these, on five cards the ink blot-like pattern is printed completely in black and white and on five cards the ink blot-like pattern is printed in other colors. Each card is given one by one to the person whose personality is to be measured.

The person can move the card as per his wish and while doing so he has to tell what he sees in that card. The reactions given by the person are recorded and later analyzed and on the basis of this the personality characteristics are determined.

4. Word Association Test:

The word association method was first used by Galton. In this method, a list of some words is made and the words of the list are spoken in front of the examinee as a stimulus and the examinee is instructed that after hearing those words, he should immediately speak one word in response.

In this method, the time taken between the test taker's reaction and the stimulus is noted and personality testing is done on its basis.

5. Sentence Completion Test:

In this test the examinee is given some incomplete or incomplete sentences and he is asked to complete them.

When the examinee completes a sentence, he definitely leaves an impression of his desires and attitudes and on this basis his personality is assessed.

Q. संकल्प या इच्छा-शक्ति का अर्थ लिखकर परिभाषित कीजिए।

Write down the meaning of will and define it.

उत्तर- संकल्प (Will)

संकल्प का कार्य मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्तियों पर नियंत्रण करना होता है।

यह मनुष्य की मन की दृढ़ इच्छा-शक्ति को प्रदर्शित करता है, जो किसी लक्ष्य प्राप्ति हेतु आवश्यक होता है।

एक कहावत के अनुसार "मन के जीते जीत है, मन के हारे हार।

" संकल्प हमारे व्यक्तित्व का ही एक भाग है। संकल्प की स्थिति में व्यक्ति राह में आने वाली मुश्किलों, कमियों का साहसपूर्वक सामना करता है।

वह छोटी-छोटी समस्याओं, जैसे अधिक तापमान, शोर, समय की कमी, झगड़ा, आदि की तरफ कम ध्यान देता है।

संकल्प की अनुपस्थिति में व्यक्ति अपनी इन्द्रियों के वश में होकर पथ भ्रष्ट हो जाता है तथा अपने लक्ष्य से दूर चला जाता है।

संकल्प की परिभाषा (Definitions of Will)

• व्यक्ति की वह क्षमता जो अवांछित सोच, भावनाओं व संवेगों के नियन्त्रण का कार्य करती है. संकल्प कहलाती है।

• संकल्प शक्ति स्वयं के द्वारा स्वयं के नियमन हेतु चैतन्य प्रयास होते हैं।

• संकल्प-व्यक्ति के निर्णय लेने व अनुसरण करने की क्षमता है। इसके माध्यम से व्यक्ति किसी निश्चित लक्ष्य की प्राप्ति में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयास करता है।

Answer: Will: The function of will is to control the natural tendencies of man. It shows the strong will power of the human mind, which is necessary to achieve any goal. According to a saying, “We live by the heart.”

There is victory, the defeat of the mind is defeat." Resolve is a part of our personality.

In a state of determination, a person becomes aware of the difficulties and shortcomings coming in the way.Faces boldly.

He pays less attention to small problems like high temperature, noise, lack of time, quarrels, etc. In the absence of determination, a person gets lost in the control of his senses and goes away from his goal.

Definitions of Will

• The ability of a person to control unwanted thoughts, feelings and emotions. It is called resolution.

• Willpower is a conscious effort by oneself to regulate oneself.

• Resolve is the ability of a person to take and follow decisions. Through this a person tries to remove the obstacles coming in the way of achieving a certain goal.

Q. संकल्प की विशेषताएं लिखिए।

Write down the characteristics of will.

उत्तर- संकल्प की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं-

1. संकल्प इच्छा-शक्ति व्यक्ति की प्राकृतिक प्रवृत्ति (natural tendency) को नियंत्रित करती है।

2. संकल्प के द्वारा लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है और समाज में क्रांति (revolution) लाई जा सकती है।

3. संकल्प द्वारा सामाजिक परिवर्तन सम्भव हो सकता है साथ ही सामाजिक परिस्थितियों के साथ समायोजन भी किया जा सकता है।

4. संकल्प/इच्छा-शक्ति मजबूत व्यक्तित्व का परिचायक है।

5. संकल्प के द्वारा मानव समाज, सभ्यता, संस्कृति का विकास संभव है तथा इनमें वांछित (desired) परिवर्तन लाये जा सकते हैं।

Answer: Following are the main features of the resolution-

1. Willpower: Willpower controls the natural tendencies of a person.

2. Through determination the goal can be achieved and revolution can be brought in the society.

3. Social change can be possible through determination and

adjustment can also be made with social conditions.

4. Resolve/will power is a sign of a strong personality.

5. Through determination, development of human society, civilization and culture is possible and desired changes can be brought about in them.

Q. संकल्प को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

Write down the factors affecting will.

उत्तर- संकल्प को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित हैं-

1. आयु (Age) -

दृढ़ संकल्प शक्ति के लिए आयु एक महत्वपूर्ण तत्व है। वृद्ध व्यक्ति एवं छोटा बच्चा किसी उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प को पूर्ण करने में समर्थ नहीं होते हैं।

2. आत्म-विश्वास (Self confidence)

व्यक्ति में आत्म-विश्वास होने पर किसी भी निर्णय को लेने में आसानी होती है।

वह जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना करके अपने लक्ष्य व उद्देश्य तक पहुँच सकता है।

इसी प्रकार नर्स अपने आत्म-विश्वास के कारण ही रोगी में विश्वास पैदा करने में सफल हो जाती है एवं रोग तथा औषधि के प्रति रोगी की अभिवृत्ति को सकारात्मक बनाने में सफल रहती है।

3. समझ (Understanding)

परिस्थितियों की अच्छी समझ संकल्प शक्ति के लिए अति आवश्यक होती है। समझ से निर्णय लेने में आसानी होती है।

4. अभ्यास का स्तर (Amount of Practice)

उत्तम शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अभ्यास दृढ़ संकल्प शक्ति के विकास मे अत्यंत लाभदायक होते हैं।

अभ्यास के उच्च स्तर से ही नर्स चिकित्सक के आने से पहले ही रोगी को प्राथमिक उपचार दे सकती है।

5. रुचि (Interest) -

किसी कार्य में विशेष रुचि का होना भी आवश्यक होता है इससे संकल्प निर्णय में सहायता मिलती है। नर्स को अपने कार्य में जितनी अधिक रुचि होगी वह उतने ही अधिक दृढ़ निश्चय से अपने कार्य को कर पाएगी।

6. अवसर (Opportunities)

दृढ़ संकल्प शक्ति निर्माण के लिए यह आवश्यक है कि किसी कार्य को करने के अवसर प्रदान किए जाएँ। नर्स को अस्पताल में ऐसे अवसर प्रदान करने चाहिए कि वह अपनी योग्यताओं एवं सीमाओं के आधार पर निर्णय ले सके।

7. शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य

संकल्प शक्ति के लिए व्यक्ति का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए यदि शरीर स्वस्थ नहीं होगा एवं व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान, कुंठा आदि से घिरा रहेगा तो वह दृढ़ संकल्प प्राप्त करने में असमर्थ होगा। जैसे- नर्स यदि शारीरिक एवं मानसिक रूप

से स्वस्थ नहीं है तो वह कुशलतापूर्वक चिकित्सक को सहयोग व अपना योगदान नहीं दे पाएगी।

Answer: Following are the factors affecting resolution-

1. Age –

Age is an important element for determination power. An elderly person and a small child are not able to fulfill their determination to achieve any objective.

2. Self-confidence:

When a person has self-confidence, it becomes easier to take any decision. He can reach his goals and objectives by facing the difficulties in life.

Similarly, due to her self-confidence, the nurse is successful in creating confidence in the patient and is successful in making the patient's attitude towards the disease and medicine positive.

3. Understanding:

Good understanding of circumstances is very important for determination power. Understanding makes it easier to take decisions.

4. Amount of Practice:

Good teaching, training and practice are very beneficial in developing determination power. With a high level of practice, the nurse can provide first aid to the patient even before the arrival of the doctor.

5. Interest -

It is also necessary to have special interest in any work, this helps in taking decisions.

The more interest a nurse has in her work, the more determination she will be able to do in her work.

6. Opportunities:

To build determination power, it is necessary to provide opportunities to do any work.

The nurse should be provided such opportunities in the hospital so that she can take decisions based on her abilities and limitations.

7. Physical and mental health:

To have determination power, a person's physical and mental health should be good.

If the body is not healthy and the person is surrounded by mental distress, frustration etc. then he will be unable to achieve

determination. For example, if the nurse is not physically and mentally healthy, then she will not be able to cooperate and contribute to the doctor efficiently.

Q. चरित्र क्या है? चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

What is character? Write down the characteristics of character.

उत्तर- चरित्र (Characteristics)

व्यक्ति के चरित्र की अभिव्यक्ति उसके आचरण द्वारा होती है। आचरण चरित्र का बाह्य रूप होता है।

चरित्र द्वारा ही संकल्प का निर्माण होता है। एक बुरा व्यक्ति भी संकल्प ले सकता है। इस प्रकार चरित्र व संकल्प परस्पर आश्रित रहते है। चरित्र व्यक्ति के आचरण को गहराई से प्रभावित करता है।

मनुष्य की प्रत्येक क्रिया के पीछे चरित्र मुख्य भूमिका अदा करता है। चरित्र हमारे अर्जित व्यवहार का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

परिभाषा (Definitions) -

• चरित्र एक पूर्णतः निर्मित संकल्प है। व्यक्ति के ऐच्छिक कार्यों से उसका चरित्र बनता है, जो एक स्थायी मानसिक प्रवृत्ति है।

• नोबेलिस के अनुसार - चरित्र एक अभ्यासजन्य तरीका है, जिसमें संकल्प प्रवृत्तियों और इच्छाओं को उस व्यवस्था तक नियमन करता है जो उसके कार्य का क्षेत्र है।

चरित्र की विशेषताएँ (Characteristics of Character)

चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

1. चरित्र का विकास प्राकृतिक इच्छाओं, संवेगों के नियंत्रण व बुद्धि के माध्यम से होता है।

2. चरित्र व्यक्ति के दृढ़ निर्णय व इच्छा-शक्ति का ही विस्तृत रूप है।

3. चरित्र को व्यक्ति के स्थायी लक्षणों द्वारा व्यक्त किया जाता है।

4. स्वभाव के विपरीत यह एक ग्रहण किया गया लक्षण है।

5. व्यक्ति का चरित्र आचरण (conduct) द्वारा व्यक्त होता है।

6. व्यक्ति के चरित्र में किंचित परिवर्तन (modification) लाया जा सकता है, परन्तु बार-बार परिवर्तित चरित्र को असंगठित चरित्र कहा जाता है।

Answer- Characteristics:

A person's character is expressed through his conduct. conduct character Has an external form.

Resolve is formed by character. Even a bad person can make resolutions.

Thus character and Resolutions remain interdependent. Character deeply influences a person's conduct.

Character plays the main role behind every action of a human being. Character is an important part of our acquired behavior.

Definitions -

• Character is a fully formed resolution. A person's voluntary actions form his character, which is a permanent mental tendency.

• According to Nobelis -

Character is a practical way in which the will regulates the tendencies and desires to the order which is the field of its action.

Characteristics of Character: The main characteristics of character are as follows-

1. Character is developed through natural desires, control of emotions and intelligence.

2. Character is the detailed form of a person's strong decision and will power.

3. Character is expressed by the permanent traits of the person.

4. Unlike nature, it is an acquired trait.

5. A person's character is expressed through conduct.

6. Slight modification can be brought about in a person's character, but repeatedly changed character is called unorganized character.